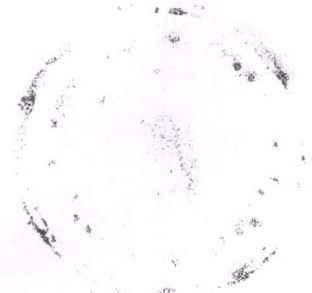




No- 2098

सत्यमेव जयते



दिनांक 14/1/98
 का: 1/1/98

कमलदेवी - श्री सुरेश प्रसाद, पिता का नाम श्री श्री विरजू लाल
 प्रसाद जी के कायस्थ पैसा ~~रुपये~~ सेवानिवृत्त निवारण ग्राम
 खलसा जिला सिमरगा जिला गुजरात विवेका शपथ पत्र संख्या-श/98
 लागू करने के लिए उक्त पैसा का नाम जीवित श्री
 रामु बाबु जी के कायस्थ पैसा ~~रुपये~~ को खरीदारी
 निवारण ग्राम ~~वाले~~ भावा कापडारा हाल भोवाम खलसा
 जिला सिमरगा जिला गुजरात विवेका शपथ-
 पत्र संख्या ~~श/98~~

कमलदेवी - विवेका पत्र संख्या ~~श/98~~ के द्वारा
 के लिए ~~रुपये~~ ~~रुपये~~
 मूल्य - गोपालजी बनोरु हजार दो सौ रुपये (रु. 2000)
 रुपये निवारण ग्राम गोपालजी को हजार दो सौ रुपये
 (रु. 2000) रुपये मात्र होगा ~~रु. 2000~~

कमलदेवी - एनामिगल नंबर गोपाल खलसा जिला सिमरगा
 जिला नं. 19 सब रजिस्ट्री ऑफिस को सब डिपिशन लिपि-
 डेन सब रजिस्ट्री ऑफिस को जिला गुजरात के शासक
 नं. 12 (नं. 66) को नं. 66 (का. ऑ. सं. 18) संख्या 18 (अ. 18)
 दिनांक 14/1/98 दिनांक 14/1/98 दिनांक 14/1/98 का

दो
रुपये

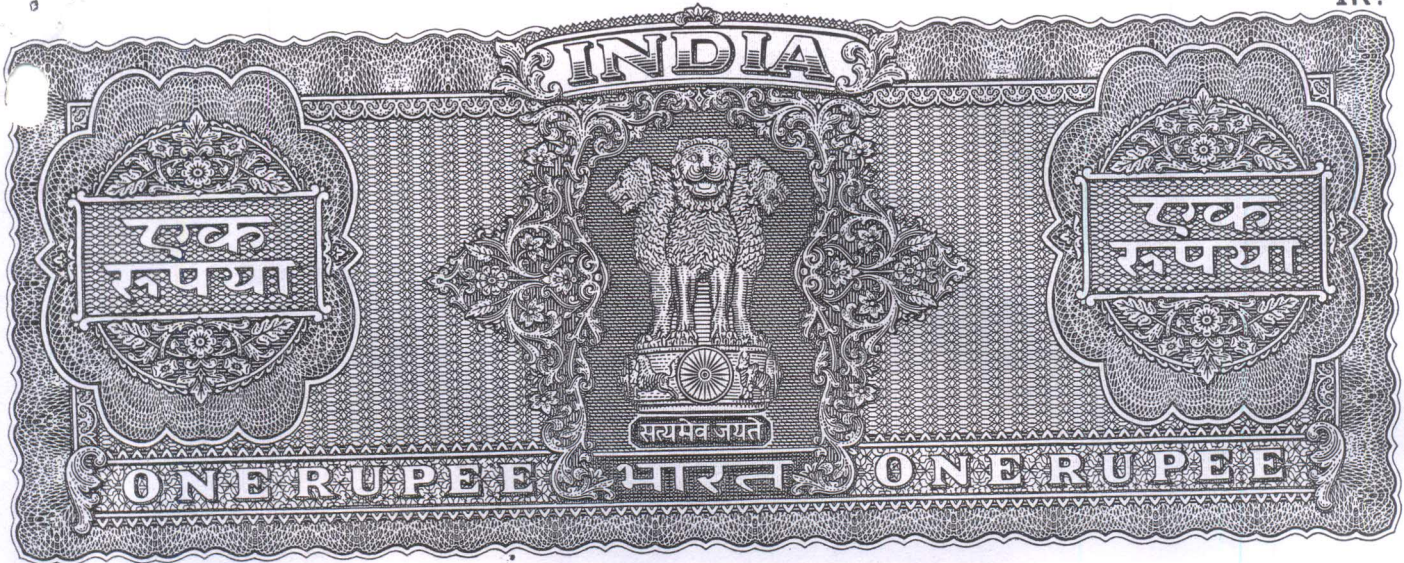
दो
रुपये



सत्यमेव जयते

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

दिल्ली अन्तर्गत अन्तर्गत (1) (2) (3) (4) (5) (6) (7) (8) (9) (10) (11) (12) (13) (14) (15) (16) (17) (18) (19) (20) (21) (22) (23) (24) (25) (26) (27) (28) (29) (30) (31) (32) (33) (34) (35) (36) (37) (38) (39) (40) (41) (42) (43) (44) (45) (46) (47) (48) (49) (50) (51) (52) (53) (54) (55) (56) (57) (58) (59) (60) (61) (62) (63) (64) (65) (66) (67) (68) (69) (70) (71) (72) (73) (74) (75) (76) (77) (78) (79) (80) (81) (82) (83) (84) (85) (86) (87) (88) (89) (90) (91) (92) (93) (94) (95) (96) (97) (98) (99) (100)



यह जमीन मुक्त भवती वंशवार में मिलता है और यह जो
 मिस्र की जमीन ही में यह भी उगाया जाता है कि इस
 जमीन से पूरा ही और से जागन पांच मुट की रात निजापति
 के लिए दिया है। इसीलिये यह वही केवल लिख दिया कि
 जमीन से केवल जमीन पर काम आवे। जय लखनपति
 के ही का जाहिर कि जमीन होना को जमीनदा विहार सार्वभौम
 संपत्ति जयल सौचकारी लिखेता से जयन नाम से
 दारिल सार्वभौम करदार जयन नाम से रात रसोद कंठवा
 में। जयसकारी को जयसकारी के लक्ष अनुभवा केवल
 लिखा है अन्य पक्षों को यह वार सुना को समझा
 दिया है जय पक्ष का समझ सिद्ध तपश्चोत को
 कि वही है पक्ष का जाहिर तैयार किया मो. पुरसु
 को खोजता लिखेता को २२-१-१९४६ इस्वी में जाहिर करवा
 है कि जमीन जय जमीन को जयल जमीन लिखेता पर
 को जयल वही जाया है लक्ष Suresh Prasad २२-१-१९४६
 जाहिर है कि इस दस्तावेज में कुल पांच पक्ष एवं
 कुल १६७ मुल है एवं खोजता रहता है। मो. पुरसु जयल
 वलता लिखेता २२-१-१९४६ में जाहिर करता है कि वंशवार
 को जमीन है जिसका वंशवार दारिल सार्वभौम लंका १६७
 का २५/११-१० है मुक्त वंशवार से दारिल हुआ है। स.
 Suresh Prasad २२-१-१९४६
 जय मुक्त प्रसाद (१९२०) (जय जमीन लंका दो मो लिखा)
 जय मुक्त प्रसाद (१९२०) (जय जमीन लंका दो मो लिखा)

Ramesh Prasad Late Rajoo Lal Prasad v. Saldega. P. S. - Saldega Dist. Gurgaon Date - 22.1.98 Sd. Suresh Prasad 22.1.98

Sd. Suresh Prasad 22.1.98 Sd. Suresh Prasad 22.1.98 Sd. Suresh Prasad 22.1.98

20000/- नं. 20000/- नं. 20000/- नं. 20000/- नं. 20000/- नं. 20000/- नं. 20000/- नं. 20000/- नं. 20000/- नं. 20000/- नं. 20000/-

No- 30/98

25000/-

25000/-

20000/-
20000/-
83600/-
25000/-
25000/-
82900/-
25000/-
108900/-

22/1/98

Sd. Suresh Prasad
22/1/98

[Faint handwritten notes]

Sd. A. MURPHY
22/1/98

[Faint handwritten notes]

Sd. A. MURPHY
22/1/98

22/1/98

Suresh Prasad
22/1/98

22/1/98

Ramesh Prasad 22.1.98

Copied & Read by
M/A
7/1/98

Compared by
M/A
7/1/98

M/A
7/1/98

M/A
7/1/98